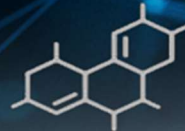




संवर्धन



सीएसआईआर-एम्प्री भोपाल की त्रैमासिक समाचार पत्रिका

अप्रैल से जून 2026 खंड 2, अंक 1

इस अंक में

- ❖ निदेशक की कलम से
- ❖ अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ
- ❖ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण
- ❖ नई परियोजनाएँ
- ❖ पेटेंट
- ❖ प्रकाशन
- ❖ सम्मान/पुरस्कार
- ❖ प्रबंधन परिषद की बैठक
- ❖ अनुसंधान परिषद की बैठक
- ❖ भर्ती और मूल्यांकन बोर्ड की बैठक
- ❖ समझौता ज्ञापन
- ❖ एसीएसआईआर
- ❖ कौशल विकास एवं जिज्ञासा
- ❖ विविध आयोजन
- ❖ नई सुविधाएं
- ❖ आउटरीच गतिविधियाँ
- ❖ आमंत्रित व्याख्यान
- ❖ गणमान्य व्यक्तियों का दौरा
- ❖ स्टाफ समाचार
- ❖ मीडिया में सीएसआईआर-एम्प्री





निदेशक की कलम से



सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल की त्रैमासिक समाचार-पत्रिका 'संवर्धन' का खंड 2, अंक 1 (अप्रैल से जून 2026) प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस तिमाही के दौरान, सीएसआईआर- एम्प्री ने सीएसआईआर-सीबीआरआई के साथ संयुक्त रूप से विकसित "अस्पतालों, आवास और अन्य उद्देश्यों के लिए अस्थायी भवनों" की तकनीक 30 अप्रैल 2026 को हस्तांतरित की। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 और 46वां सीएसआईआर- एम्प्री स्थापना दिवस 12 से 14 मई 2026 तक मनाया गया। कार्यक्रम में 12 मई 2026 को सीएसआईआर की माननीय महानिदेशक और डीएसआईआर, भारत सरकार की सचिव डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर पर डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी की गरिमामयी उपस्थिति में सोडार (ध्वनि पहचान और रेंजिंग) प्रणाली की तकनीक हस्तांतरित की गई और सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के अवसर पर 11 जून 2026 को मुख्य अतिथि डॉ.

डी.श्रीनिवास रेड्डी, निदेशक, आईआईसीटी, हैदराबाद की उपस्थिति में "उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) - पारदर्शी और जैव-अनुकूल विकिरण परिरक्षण पॉलिमर कंपोजिट" का उद्घाटन किया गया। प्रबंधन परिषद की बैठक और अनुसंधान परिषद की बैठक क्रमशः 11 और 16 अप्रैल 2026 को आयोजित की गई। 22 से 24 मई 2026 तक भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमएसएमई प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित छठी राइजिंग मध्य प्रदेश प्रदर्शनी में वैज्ञानिक नवाचारों का प्रदर्शन किया गया और सीएसआईआर-एम्प्री टीम को आकर्षक स्टॉल प्रस्तुति और सक्रिय भागीदारी के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ. एन. कलैसेल्वी ने 3 जून 2026 को अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन कैंपस में सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के सहयोग से स्थापित सेंटर फॉर सस्टेनेबल सिसल सिस्टम्स (सी3एस) का उद्घाटन किया। सीएसआईआर- एम्प्री का लक्ष्य स्वदेशी और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को विकसित करके 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देना है।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ. थल्लाडा भास्कर



अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल फ्लाई ऐश आधारित (सीमेंट-मुक्त) उन्नत जियोपॉलीमेरिक रोलर कॉम्पैक्टेड कंक्रीट सड़क पर प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करने वाला पहला संस्थान बना

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में भारत की पहली फ्लाई ऐश आधारित (सीमेंट-मुक्त) जियोपॉलीमेरिक रोलर कॉम्पैक्टेड कंक्रीट सड़क के निर्माण कार्य का 2 फरवरी 2026 को माननीय महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर, डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी द्वारा शुभारंभ किया गया था और अब यह बनकर तैयार है। इस सड़क का उद्घाटन और यातायात के लिए इसे 16 अप्रैल 2026 को संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर और अध्यक्ष, अनुसंधान परिषद, सीएसआईआर- एम्प्री, प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह द्वारा किया गया। यह एक पर्यावरण-अनुकूल जियोपॉलीमेरिक

कंक्रीट है जिसमें लगभग 83% कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन, बिना जल उपचार और लगभग 80% कम अंतर्निहित ऊर्जा है। यह कम स्लंप वाला जियोपॉलीमेरिक कंक्रीट है जिसकी 21 दिनों की कोम्प्रेसिव स्ट्रेंथ 35-40 एमपीए और फ्लेक्सुरल स्ट्रेंथ 4-4.5 एमपीए है। यह प्रदर्शन सीआईआर- एम्प्री के निदेशक प्रो. (डॉ.) थल्लाडा भास्कर के मार्गदर्शन में, प्रधान अन्वेषक डॉ. (इंजीनियर) मनीष मुद्गल, वैज्ञानिक जी और एससीएमडी-सीएआरएस एंड जीएम के प्रमुख, और उनकी टीम द्वारा सीएसआईआर के 'अपशिष्ट से धन' मिशन मोड परियोजना के अंतर्गत किया गया। यह नवोन्मेषी तकनीक पर्यावरण के अनुकूल और तीव्र सड़क निर्माण दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो पारंपरिक सीमेंट-आधारित कठोर फुटपाथ प्रणालियों का एक टिकाऊ और स्थायी विकल्प प्रदान करती है।



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल परिसर में जियोपॉलीमेरिक रोलर कॉम्पैक्टेड कंक्रीट सड़क का एक भाग



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

अस्पतालों, आवास और अन्य प्रयोजनों के लिए अस्थायी भवन

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने सीएसआईआर-सीबीआरआई, रूड़की के साथ संयुक्त रूप से विकसित "अस्पतालों, आवास और अन्य उद्देश्यों के लिए अस्थायी भवनों" की तकनीक 30 अप्रैल 2026 को मेसर्स एम आर ट्रेडर्स भोपाल को हस्तांतरित की। सीएसआईआर- एम्प्री की टीम की गरिमामय उपस्थिति में सीएसआईआर- एम्प्री भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर और मेसर्स एम आर ट्रेडर्स, भोपाल के

मालिक श्री रेहान खान के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधान अन्वेषक श्री शिव सिंह पटेल ने बताया कि इस तकनीक का उपयोग अस्थायी संरचनाओं के निर्माण के लिए तेजी से समाज के क्षेत्र में हो सकता है। समारोह में श्री हेमंत कुमार शुक्ला, प्रमुख आरपीबीडी, डॉ. (इंजीनियर) मनीष मुद्गल, प्रमुख एससीएमडी, डॉ. जे पी चौरसिया, प्रमुख पीपीएमजी, डॉ. संदीप सिंघाई, प्रमुख बीडी, श्री सोमनाथ मजूमदार, सीओए, श्री संजय विनोदिया, एफएओ और डॉ. शाबी टीएस, वैज्ञानिक ई भी उपस्थित थे।



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की झलकियां

स्वदेशी सोडार प्रणाली प्रौद्योगिकी का उद्योग को हस्तांतरण

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 12 मई 2026 (12-14 मई, 2026) को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2026 और 46वां सीएसआईआर- एम्प्री स्थापना दिवस मनाया। इस शुभ अवसर पर, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल द्वारा

मेसर्स मेटियोएक्सपर्ट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा को सोडार (ध्वनि पहचान और रेंजिंग) प्रणाली की प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण किया गया। यह हस्तांतरण सीएसआईआर की माननीय महानिदेशक और डीएसआईआर, भारत सरकार की सचिव डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। मेसर्स



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



मेटियोएक्सपर्ट्स सॉल्यूशंस, नोएडा के निदेशक श्री सिद्धार्थ गुप्ता भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने स्वागत भाषण दिया और मौसम, जलवायु परिवर्तनशीलता, पूर्वानुमान और आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित वैज्ञानिक और सामाजिक चुनौतियों पर जोर देते हुए जलवायु और पर्यावरण अध्ययन में सोडार की भूमिका पर प्रकाश डाला।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. कलैसेल्वी ने कहा कि सीएसआईआर- एम्प्री की पहल से विकसित स्वदेशी सोडार प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अंतर्गत स्वदेशी वायुमंडलीय निगरानी

प्रौद्योगिकियों को सुदृढ़ करने और पर्यावरण निगरानी एवं वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए उद्योग-उन्मुख नवाचारों को गति देने के प्रति सीएसआईआर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डॉ. कलैसेल्वी ने सोडार गतिविधि की प्रधान अन्वेषक, डॉ. कीर्ति सोनी, वैज्ञानिक एफ, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल को स्वदेशी सोडार प्रणाली विकसित करने और अनुसंधान परिणामों को सामाजिक एवं औद्योगिक महत्व की प्रौद्योगिकियों में सफलतापूर्वक परिवर्तित करने के लिए बधाई दी।

डॉ. मोहम्मद अकरम खान, वैज्ञानिक जी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।



स्वदेशी सोडार प्रणाली प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण



नई परियोजनाएं

1. समुद्री जल से धातुओं (Cu/Ni/Co और Li) के निष्कर्षण के लिए नैनोकण कार्ट्रिज का विकास, एफटीटी 050602, परियोजना लागत: 105,80,000 रुपये।

प्रधान अन्वेषक: डॉ. अर्चना सिंह, वैज्ञानिक एफ, नवोन्मेषी पदार्थ एवं प्रक्रम प्रभाग (आईपीएमडी)

2. स्तन कैंसर बायोमार्कर के प्रारंभिक पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स इलेक्ट्रोकेमिकल एप्टासेंसर: लघुकृत प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट डिवाइस की ओर, एफटीटी 010605, परियोजना लागत: 173,00,000 रुपये।

प्रधान अन्वेषक: डॉ. राजू खान, वैज्ञानिक एफ, ऊर्जा एवं पर्यावरणीय समाधान प्रभाग (ईईएसडी)

3. अप्रत्यक्ष एडिटिव मैनुफैक्चरिंग (रणनीतिक क्षेत्र अनुप्रयोग के लिए संशोधित इन्वेस्टमेंट कास्टिंग) के माध्यम से ओपन-सेल एल्युमीनियम फोम और फोम कोर सैंडविच पैनल का विकास, एफबीआर 080401, परियोजना लागत: 74,00,000 रुपये।

प्रधान अन्वेषक: श्री श्रीराम सथैया, वैज्ञानिक ई, अल्पभार पदार्थ प्रभाग (एलडब्ल्यूएमडी)

पेटेंट

बिटर कॉइल और फील्ड शेपर का उपयोग करके शीट मेटल को जोड़ने के लिए औजारों का विकास और विधि एवं उससे संबंधित कार्य।

आविष्कारक: मेराज अहमद, खुशवंत सिंह गैवेल, हरि

नारायण भार्गव, संजय कुमार पंथी, आयशा अली, प्रभात कुमार बघेल, अमित भार्गव, दिपेन कुमार राजक

आवेदन संख्या: 202611049020, भारत में दायर किया गया, दिनांक: 17 अप्रैल, 2026



प्रकाशन

1. के. चतुर्वेदी, के. यादव, आर. खान, आर. चौधरी, एस. वर्मा, गैडोलिनियम ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट्स से कार्यान्वित ग्राफीन ऑक्साइड के ऊष्मीय रूप से स्थिर जीवाणुरोधी एजेंटों का इन-सीटू संश्लेषण और अन्वेषण, **सर्फेस एंड इंटरफेस**, 86, 108781, 2026. आईएफ 6.3. 10.1016/j.surf.2026.108781
2. के.एस.गवेल, एम. अहमद, एच.एन. भार्गव, ए. अली, ए. भार्गव, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फॉर्मिंग और जॉइनिंग प्रक्रिया में परफॉरमेंस और ड्यूरेबिलिटी बढ़ाने के लिए फील्ड शेपर का बेहतर डिजाइन, **प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स, पार्ट एल, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स डिजाइन एंड एप्लीकेशंस**, अप्रैल 2026. आईएफ: 2.2. 10.1177/14644207261434152.
3. एस.के. श्रीवास्तव, जी.के. गुप्ता, ए. चांगदार, जे. एलाम्बासेरिल, टी.सी. जोशी, के. शाह, एम. ब्रांट और मा कियान, होलो स्फीयर से भरे सिंटेक्टिक फोम पर प्रगति और परिप्रेक्ष्य: संरचनात्मक अनुप्रयोगों के लिए एक आशाजनक समाधान, **प्रोसीडिंग्स ऑफ द इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स पार्ट सी-जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस**, अप्रैल, 2026. आईएफ: 1.7 <https://doi.org/10.1177/0954406226142756>
4. एस. रावत, ए. कुमार, एस. मा, जेड. यांग, आर. गिएलेसियाक, ई.सी.डी. टैन, जे. हेयने, एच. वांग, टी. भास्कर, बी. यांग, एक्वस फेस में लिग्निन-आधारित जेट ईंधन उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाना, **केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल**, 539, 177150, 2026. आईएफ: 13.2. 10.1016/j.cej.2026.177150
5. ए. पांडे, ए. प्रकाश, वी. कूज डी फारिया, क्यू. चाओ, वाई. किउ, डी. फैबिजिनिक, पी. डी. हॉजसन, एन. बिरबिलिस, आई. समाजदार, एस. थॉमस, लेजर पाउडर बेड फ्यूजन द्वारा निर्मित 316L स्टेनलेस स्टील की ग्रेन बाउंड्री प्रतिक्रियाशीलता पर सॉल्यूशन हीट ट्रीटमेंट के प्रभाव पर, **कोरोजन साइंस**, 268, 113939, 2026. आईएफ: 8.5. <https://doi.org/10.1016/j.corsci.2026.113939>



6. एन. कुमार, ए.एस. नायर, ए. तिवारी, के. सोनी, वी.के. सोनी, ए. कुमार, ए. झा और डी. गुप्ता, दिल्ली में सोडार और ईआरए 5 द्वारा मापी गई वायुमंडलीय सीमा परत की ऊँचाई की अंतर्तुलना और सत्यापन, **जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग**, 54, 3101, 2026 . आईएफ:2.1.
<https://doi.org/10.1007/s12524-025-02376-9>
7. एन. कुमार, के. सोनी, के. एस. परमार, पी. थोरात, डी. साहा, ए.के. झा, ए. कुमार और वी.के. सोनी, असम के कोयला खनन क्षेत्रों में सपोर्ट वेक्टर मशीन मॉडल का उपयोग करके एरोसोल ऑप्टिकल डेप्थ का पूर्वानुमान, **जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग**, 54, 3299, 2026. आईएफ: 2.1.
<https://doi.org/10.1007/s12524-026-02496-w>
8. जी. हार्ने, ए. खाडे, वी.के. कुशवाहा, टी. चटर्जी, पोर्फिरिन-आधारित सामग्रियों की 3डी प्रिंटिंग: प्रक्रियाएं और अनुप्रयोग, **केमिस्ट्री एन एशियन जर्नल**, प्रथम प्रकाशन तिथि: 30 मई 2026, आईएफ:3.2.
<https://doi.org/10.1002/asia.202500984>
9. डी. कुमार, एस. अग्निहोत्री, टी. भास्कर, गेहूं के भूसे का ऑर्गेनोसॉल्व उपचार और अपचायक उत्प्रेरक अंशशोधन: संरचनात्मक और संघटन संबंधी अंतर्दृष्टि, **बायोमास और बायोएनर्जी**, ऑनलाइन उपलब्ध, 30 मई 2026. आईएफ: 7.0.
<https://doi.org/10.1016/j.biombioe.2026.109609>
10. ए. सिंहवाने, एम. मिली, सी. नायक, एस. वर्मा, ग्रेफीन ऑक्साइड और गाय के गोबर से प्रबलित बांस कंपोजिट के उत्पादन के लिए आलू स्टार्च आधारित बायो-बाइंडर का अनुकूलन - एक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल सामग्री, **ईनवारमेंटल प्रोसेस एंड सस्टेनेबल एनर्जी**, पहली बार प्रकाशित: 31 मई 2026. आईएफ: 2.6.
<https://doi.org/10.1002/ep.70473>
11. एम.के. यादव, के. सिंह, एस.एस. कुंडले, एस. कुमार, टी.डी. डोंगले, पी. कुमार, एन. पनवार, Ag/PVA-ग्राफीन ऑक्साइड/FTO उपकरणों में केपिसिटिव कपलड टू प्योरली रेसिस्टीव स्विचिंग बीहेवियर में बायस वोल्टेज इनड्यूस्ड ट्रांसफॉर्मेशन, **फिजिका स्टेटस सॉलिडी (ए)**, 223(11), ई 70401, 2026. आईएफ:2.0.
<https://doi.org/10.1002/pssa.70401>



12. एम. रॉय, एस. मिश्रा, एस. पांडेय और टी. सरदार, चक्रीय और सतत जल उपचार के लिए अभियंत्रित फल छिलका बायोसोर्बेंट्स, **सेपरेशन एंड प्यूरीफिकेशन रिव्यू**, 1–15, जून 2026. आईएफ:7.3
<https://doi.org/10.1080/15422119.2026.2687113>.
13. ए. कुमार, एन. अरोड़ा, एम. रावत, एस. होथा, टी. भास्कर, स्व-सफाई और बर्फ-विरोधी कपास के कपड़े के लिए ऊष्मीय रूप से स्थिर सुपरहाइड्रोफोबिक कोटिंग में बायोमास का जैवप्रेरित मूल्यवर्धन, **बायोरेसोर्स टेक्नोलॉजी**, 449, 134389, 2026. आईएफ: 8.2.
<https://doi.org/10.1016/j.biortech.2026.134389>
14. केडी दिहिंगिया, बी. राजवंशी, एस. साहा, जी. एन. शास्त्री, हाफ-मेटैलिक ऑक्सीजन-रिक्त 2डी-जेनस TiCrCO_2 MXene सतह पर CO_2 रिडक्शन में यांत्रिक अंतर्दृष्टि, **एसीएस एप्लाइड एनर्जी मैटेरियल्स**, 12 जून, 2026 को प्रकाशित। आईएफ:5.5.
<https://doi.org/10.1021/acsaem.6c01399>.
15. एस. के.जे. संस्कृता, टी. जोशी, एस. सथैया, वी. पंचोली, स्टेनलेस स्टील होलो स्फीयर के निर्माण के लिए द्रवीकृत बेड कोटिंग की जांच और प्रक्रिया अनुकूलन, **पाउडर टेक्नोलॉजी**, 483, 122857, 2026. IF:5.5.
<https://doi.org/10.1016/j.powtec.2026.122857>
16. एस. के. देब, एच. उपाध्याय, डी. दास, यू. ठकुरिया, एस. दास, पी. मुखर्जी, ए. पात्रा, पी. बेरा, पी. कुमार, यू. एन. मैती, एब्जॉर्प्शन-प्रधान इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंटरफेरेंस शील्डिंग के लिए ग्रेडिएंट रिडक्शन के माध्यम से कंटीन्यूअस/बाय-ग्रेडिएंट MXene/ग्राफीन/सेलुलोज-नैनोफाइबर एरोजेल में इन-प्लेन और इंटरफेशियल पोलराइजेशन को तैयार करना, **एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स**, प्रथम प्रकाशन: 05 जून 2026. आईएफ: 19.9.
<https://doi.org/10.1002/adfm.76351>.
17. यी-हंग हुआंग, जे.के. तिवारी, ए. अल्फंताजी, आर. कुमार, डी-शिन लियू, योंग-सोंग चेन, पाई-चेन लिन, फेंग-चीह लियन, बी.एन. यादव, AlSi10Mg /ग्राफीन कम्पोजिट्स के थर्मो-मैकेनिकल रिस्पॉन्स पर इन-सीटू हीट ट्रीटमेंट और



ग्राफीन रीइन्फोर्समेंट के मिले-जुले असर: जॉनसन-
कुक मॉडलिंग और आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क
प्रेडिक्शन, जर्नल ऑफ़ अलॉयज़ एंड कंपाउंड्स,

1071, 188826, 2026. IF: 6.7.
<https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2026.188826>

सम्मान/पुरस्कार

1. सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर, 2 अप्रैल 2026 को आयोजित 'आउटरीच प्रोग्राम और ब्रोशर लॉन्च' तथा 'सस्टेनेबल माइनिंग और इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन' पर नेशनल सिम्पोजियम और एक्सपो में मुख्य

अतिथि थे। इस कार्यक्रम का आयोजन विभा चैप्टर- विज्ञान भारती (मध्य भारत प्रांत), माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग और वी एन एस ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस ने किया था।



2. 18 मई 2026 को 'अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस' के अवसर पर, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने रीजनल साइंस सेंटर में एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी का

आयोजन जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया और आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया द्वारा किया गया था और इसमें खनिजों, चट्टानों और पुरातात्विक स्थलों से जुड़ी विशेष वस्तुएं प्रदर्शित की गई थीं।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



डॉ. थल्लाडा भास्कर प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए

3. सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम में सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के निदेशक, डॉ. थल्लाडा भास्कर ने मुख्य अतिथि के रूप में "एस एंड टी लीडर्स के साथ आमने-सामने" नामक प्रेरणादायक सत्र

की शोभा बढ़ाई। उन्होंने 26 मई 2026 को "ऑर्गेनिक/इनऑर्गेनिक अवशेषों के लिए सस्टेनेबल वैल्यू एडिशन के तरीके" पर एक वार्ता दी और स्टाफ और छात्रों के साथ बातचीत की।



सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम में डॉ. थल्लाडा भास्कर

4. डॉ. थल्लाडा भास्कर, निदेशक, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल, 27 जून, 2026 को भोपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2026 में पैनलिस्ट थे। मध्य प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग

द्वारा एफआईसीसी के सहयोग से आयोजित "उद्यमी मध्य प्रदेश" शिखर सम्मेलन उद्यमियों, स्टार्टअप्स और वित्तीय संस्थानों को जोड़ने के लिए एक प्रमुख क्षेत्रीय मंच के रूप में कार्य करता है।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2026 में डॉ. थल्लाडा भास्कर

प्रबंधन परिषद की बैठक

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में 11 अप्रैल 2026 को प्रबंधन परिषद (एमसी) की बैठक आयोजित की गई। सीएसआईआर-नीरी, नागपुर के निदेशक डॉ. एस वेंकट मोहन एमसी की बैठक के लिए सीएसआईआर- एम्प्री,

भोपाल आए थे। प्रशासनिक मामलों पर चर्चा के अलावा, उन्होंने सहयोग के अवसरों को मजबूत करने के लिए सीएसआईआर- एम्प्री में विकसित प्रक्रियाओं और उत्पादों को भी देखा और सुझाव दिए।



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में डॉ. थल्लाडा भास्कर के साथ डॉ.एस. वेंकट मोहन



अनुसंधान परिषद की बैठक

16 अप्रैल 2026 को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में 52वीं अनुसंधान परिषद (आरसी) की बैठक आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता सीएसआईआर सोसायटी के सदस्य, आरसी अध्यक्ष, एम्प्री मेंटर और आईआईटी कानपुर के इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसर, प्रो. वी. के. सिंह ने की। सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों

ने प्रस्तुतियाँ दीं, जिसके बाद वैज्ञानिक और तकनीकी चर्चाएँ हुईं। आरसी सदस्यों के समक्ष प्रशासनिक एजेंडा प्रस्तुत किया गया। आरसी अध्यक्ष प्रो. वी. के. सिंह ने समापन टिप्पणी की। उन्होंने प्रस्तुतियों और सीएसआईआर-एम्प्री में चल रही गतिविधियों की सराहना की। आरसी सचिव श्री हेमंत कुमार शुक्ला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।



आरसी बैठक की झालाकियाँ

भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड की बैठकें

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 15 से 17 अप्रैल 2026 तक नए सीएसआईआर 2025 नियमों के अनुसार सामग्री विज्ञान, प्रबंधन और आईटी के क्षेत्र में वैज्ञानिकों के

मूल्यांकन के लिए भर्ती एवं मूल्यांकन बोर्ड (आरएबी) की बैठकों की मेजबानी की।



सीएसआईआर- एम्प्री में आरएबी की बैठक

समझौता ज्ञापन

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहंस), बेंगलुरु, वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय और हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एचबीटीयू), कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में 12 मई 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2026 और 46वें सीएसआईआर-एम्प्री स्थापना दिवस समारोह (12-14 मई 2026) के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एन.

कलैसेल्वी, माननीय महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर, भारत सरकार और डॉ. थल्लाडा भास्कर, निदेशक, सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल की गरिमामयी उपस्थिति में सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल और i. निमहंस, बेंगलुरु ii. वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय और iii. एचबीटीयू, कानपुर के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान

भारत में एआईआई एडवाइजर्स - एविडेंस एक्शन के तकनीकी भागीदार के साथ समझौता ज्ञापन, नई दिल्ली

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल और भारत में
ईआईआई एडवाइजर्स-एविडेंस एक्शन के तकनीकी
भागीदार, नई दिल्ली के बीच 11 जून 2026 को विश्व
पर्यावरण दिवस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. डी.

श्रीनिवास रेड्डी, निदेशक, आईआईसीटी, हैदराबाद
और डॉ. थल्लाडा भास्कर, निदेशक, सीएसआईआर -
एम्प्री की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान
किया गया। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य सामाजिक और
तकनीकी प्रभाव के लिए सहयोगात्मक प्रयासों को
बढ़ावा देना है।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान

एसीएसआईआर

पीएच.डी.

1. श्री दीपक कुमार कश्यप, 20EE20A35003, एसीएसआईआर के पीएच.डी. छात्र, ने 30 दिसंबर, 2025 को "ऊर्जा संचयन और स्व-पाउडर सेंसर के लिए ट्रांजिशन मेटल चालकोजेनाइड नैनोसंरचना आधारित लचीला पीजोइलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर" विषय पर पीएच.डी. थीसिस के लिए सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण किया। शोधकार्य पर्यवेक्षक डॉ. मनोज कुमार गुप्ता और सह-पर्यवेक्षक डॉ. अशोकन पप्पू के निर्देशन में पूरा हुआ।
2. श्री पंकज भारती, 10PP20A35002, एसीएसआईआर के पी.एच.डी. छात्र ने 23 अप्रैल, 2026 को "उन्नत लुब्रिकेशन एवं सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन आधारित सामग्री" विषय पर पीएच.डी. थीसिस के लिए सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण किया। शोधकार्य पर्यवेक्षक डॉ. नीरज द्विवेदी के निर्देशन में पूरा हुआ।
3. श्री रेजाउल करीम एस के, 10PP21J35007, एसीएसआईआर के पीएच.डी. छात्र ने 8 मई, 2026 को "विकिरण परिरक्षण अनुप्रयोगों के लिए सीसा रहित भारी धातु ऑक्साइड आधारित ग्लास सिस्टम्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन" विषय पर पीएच.डी. थीसिस के लिए सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण किया। शोधकार्य पर्यवेक्षक डॉ. मोहम्मद आशिक के निर्देशन में पूरा हुआ।



एसीएसआईआर साइंस क्लब की गतिविधियाँ

1. 10 जून, 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के अवसर पर छात्रों के लिए एसीएसआईआर साइंस क्लब द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के माध्यम से मान्यता दी गई और प्रोत्साहित किया गया।



चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र

2. एसीएसआईआर के छात्रों ने 11 जून, 2026 को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में एसीएसआईआर साइंस क्लब के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस

मनाने के लिए सीएसआईआर- एम्प्री परिसर में वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और 40 पौधे लगाए।



एसीएसआईआर छात्र वृक्षारोपण अभियान में भाग लेते हुए



छात्र को मान्यता

श्री मनीष चौहान, सीएसआईआर- एम्प्री के पीएच.डी छात्र (पर्यवेक्षक: डॉ. शिव सिंह, वैज्ञानिक डी और डॉ. प्रदीप कुमार, वैज्ञानिक ई) ने नीदरलैंड के हेग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ईएलकेआईएन-2026 (ELKIN 2026) में सीएसआईआर- एम्प्री का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने "सीवीडी विधि से विकसित FeO/NiO एन्कर्ड कार्बन नैनोफाइबर के माध्यम से समग्र जल विभाजन में प्लैटिनम और ग्रेफाइट काउंटर इलेक्ट्रोड की भूमिका का अनावरण" शीर्षक से अपना पोस्टर प्रस्तुत किया, जो उनके हाल ही 'एनर्जी मटेरियल

एडवांसेज' (<https://doi.org/10.34133/energymatadv.0327>, IF: 18) में प्रकाशित शोध पत्र पर आधारित था। उनकी भागीदारी को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (ITS) के माध्यम से सपोर्ट मिला। श्री मनीष को कैलटेक, ट्वेंटे विश्वविद्यालय और वैगनिंगन विश्वविद्यालय के प्रमुख विशेषज्ञों से सराहना मिली और कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों में से वे एकमात्र ऐसे प्रतिभागी थे जिन्हें ईएलकेआईएन (ELKIN) द्वारा स्थानीय खर्चों और आवास के लिए €500 दिये गए।



ईएलकेआईएन-2026 (ELKIN 2026) में श्री मनीष चौहान

कौशल विकास एवं जिज्ञासा

1. स्कूली छात्रों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीएसआईआर-जिज्ञासा पहल के अंतर्गत, महाराष्ट्र के आर.जे. चावरे हाई स्कूल और कॉन्वेंट के छात्रों के एक समूह ने 7 मई 2026 को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल का दौरा किया।

इस दौर के दौरान, छात्रों को सामग्री विज्ञान, टिकाऊ निर्माण सामग्री, पर्यावरण प्रौद्योगिकी और उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों के क्षेत्र में उभरते अनुसंधान क्षेत्रों और उन्नत तकनीकी विकास से अवगत कराया गया। छात्रों ने विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



किया और संस्थान के वैज्ञानिकों से बातचीत की।

आगंतुक छात्रों को सीएसआईआर- एम्प्री में विकसित तकनीकों से भी अवगत कराया गया। इस संवाद का उद्देश्य छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना था।

शैक्षणिक संवाद के अंतर्गत, छात्रों ने विज्ञान, पर्यावरण और साहित्य (प्राचीन भारतीय लिपियाँ आदि) से संबंधित क्षेत्रों में अपने कार्यों और विचारों को प्रस्तुत किया, जिससे उनकी रचनात्मकता, वैज्ञानिक जिज्ञासा

और विश्लेषणात्मक सोच का प्रदर्शन हुआ। यह कार्यक्रम सीएसआईआर-जिज्ञासा के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जो सीएसआईआर की एक प्रमुख छात्र-वैज्ञानिक संपर्क पहल है, जिसका उद्देश्य कक्षा में सीखी गई शिक्षा को वास्तविक दुनिया के वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से जोड़ना है। इस यात्रा का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों को वैज्ञानिक अनुसंधान करने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में छात्रों के दौरे की झलकिया

2 10 जून 2026 को सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल चरण III और जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम में कुल 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएसआईआर की एक संक्षिप्त फिल्म के प्रदर्शन से हुआ, जिसमें विज्ञान और

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सीएसआईआर की उपलब्धियों और योगदान को दर्शाया गया।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ. प्रभात कुमार बघेल, वैज्ञानिक एफ, कौशल समन्वयक; डॉ. संदीप सिंघई, वैज्ञानिक-एफ, सह-समन्वयक; श्री शिव सिंह



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



पटेल, वैज्ञानिक-डी और जिज्ञासा कार्यक्रम के समन्वयक द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण में छात्रों की सक्रिय भूमिका के महत्व पर बल दिया।

व्याख्यानों के बाद, विश्व पर्यावरण दिवस 2026 समारोह के अंतर्गत प्रतिभागियों के लिए कई रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इनमें क्विज प्रतियोगिता, स्लोगन और कविता प्रतियोगिता शामिल थीं, जिनका उद्देश्य प्रतिभागियों में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था।



इन गतिविधियों के बाद, प्रतिभागियों के लिए एक प्रयोगशाला भ्रमण का आयोजन किया गया। उन्होंने नई इमारत के प्रदर्शनी हॉल का दौरा किया, जहाँ सीएसआईआर- एम्प्री में विकसित विभिन्न नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों और प्रमुख आविष्कारों का प्रदर्शन किया गया। 10 जून 2026 को भोपाल स्थित सीएसआईआर- एम्प्री के पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान 'तारा' सभागार में प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।



सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल चरण III और जिज्ञासा के तहत आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम की झलकियाँ

3. सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल के तीसरे चरण के तत्वावधान में सीएसआईआर- एम्प्री में 15 से 19 जून, 2026 तक आईपीआर पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अंतिम दिन दिल्ली उच्च न्यायालय, दिल्ली के अधिवक्ता श्री अमन सिन्हा, सीएसआईआर-सीएसआईओ, चंडीगढ़ के वैज्ञानिक जी

डॉ. नरिंदर सिंह और एनआरडीसी, दिल्ली के इनक्यूबेशन सेंटर के प्रमुख डॉ. संजीव कुमार मजूमदार के विशेषज्ञ व्याख्यानों के साथ मनाया गया। इसके बाद समापन सत्र हुआ जिसमें सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने परिवर्तन में आईपीआर के महत्व और विकसित भारत मिशन में इसके योगदान पर जोर



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



दिया। उन्होंने छात्रों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।
कौशल समन्वयक डॉ. प्रभात कुमार बघेल और

पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. संदीप सिंह भी इस अवसर पर
उपस्थित थे और उन्होंने सभा को संबोधित किया।



सीएसआईआर एकीकृत कौशल पहल के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों की झलकियाँ

विविध आयोजन

सीएसआईआर- एम्प्री ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2026 और 46वां सीएसआईआर- एम्प्री स्थापना दिवस मनाया

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 12 से 14 मई, 2026 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2026 और 46वां सीएसआईआर- एम्प्री स्थापना दिवस मनाया। 12 मई 2026 को कार्यक्रम में डॉ. एन. कलैसेल्वी, माननीय महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर, भारत सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी।

कार्यक्रम की शुरुआत उनके स्वागत और अंडरपास और ओवरहेड टैंक सुविधाओं की आधारशिला रखने के साथ हुई। डॉ. कलैसेल्वी ने तेजस्वी केंद्रीकृत परीक्षण सुविधा का दौरा किया और विभिन्न सुविधाओं का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विवेकानंद विज्ञान प्रदर्शनी, कल्पना-शाला और यूटीएम सुविधा का उद्घाटन भी शामिल था। माननीय महानिदेशक ने संस्थान परिसर में निर्मित रोलर कॉम्पैक्टेड जियोपोलिमरिक रोड (सीमेंट मुक्त) का दौरा किया। तारा सभागार में आयोजित कार्यक्रम का आरंभ सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



भास्कर के स्वागत भाषण के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान, सूर्या पोर्टल का प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया और "समवर्धन" सीएसआईआर- एम्प्री की त्रैमासिक समाचार पत्रिका का नवीनतम संस्करण जारी किया गया।

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल द्वारा विकसित स्वदेशी सोडार प्रौद्योगिकी "स्वदेशी सोडार (ध्वनि का पता लगाना और रेंजिंग) प्रणाली" को मेसर्स मेटियोएक्सपर्ट्स सॉल्यूशंस प्रा. लि, नोएडा को हस्तांतरित किया गया। इसके अलावा, तीन संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. एन. कलैसेल्वी ने आवश्यकता-आधारित और सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर दिया और वैज्ञानिकों से समाज की आवश्यकताओं की पहचान करने और ऐसी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने का आग्रह किया जो आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकें और उन्हें लाभान्वित कर सकें।

विभिन्न श्रेणियों के तहत 2025-2026 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सीएसआईआर- एम्प्री के स्टाफ सदस्यों और शोधकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र दिए गए। मुख्य अतिथि डॉ. एन. कलैसेल्वी, माननीय महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर द्वारा सम्मानित किया

गया। डॉ. मोहम्मद अकरम खान, वैज्ञानिक जी, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

13 मई 2026 को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में ओपन डे मनाया गया। विभिन्न संस्थानों के छात्रों, शिक्षकों और प्रोफेसरों ने सीएसआईआर- एम्प्री के प्रदर्शनी हॉल विवेकानंद विज्ञान प्रदर्शनी का दौरा किया और सीएसआईआर- एम्प्री द्वारा विकसित विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों/उत्पादों का प्रदर्शन देखा।

सीएसआईआर- एम्प्री के 46वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 14 मई, 2026 को किया गया, जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद के निदेशक प्रो. बी. एस. मूर्ति (मुख्य अतिथि, सुबह का तकनीकी सत्र) और आईसर भोपाल के निदेशक और नीति आयोग के सदस्य प्रो. गोबर्धन दास (मुख्य अतिथि, शाम के तकनीकी सत्र) शामिल हुए।

तारा सभागार में उद्घाटन सत्र की शुरुआत सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर द्वारा प्रो. बी. एस. मूर्ति के स्वागत के साथ हुई। इस अवसर पर, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के वैज्ञानिक एफ. डॉ. एन. सतीश ने "मेक-इन-इंडिया रमन स्पेक्ट्रोमीटर" पर फाउंडेशन दिवस व्याख्यान दिया। फाउंडेशन दिवस के संबोधन में प्रो. बी. एस. मूर्ति ने इस बात पर जोर दिया कि "विकसित भारत" के विजन को



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



सही मायने में तब साकार किया जा सकता है जब भारतीय प्रौद्योगिकियां और उत्पाद विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपनी जगह बनाएं। मुख्य अतिथि प्रो. बी. एस. मूर्ति को सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर द्वारा सम्मानित किया गया। सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के वैज्ञानिक जी श्री हेमंत कुमार शुक्ला ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

शाम के सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) भोपाल के निदेशक और नीति आयोग के सदस्य प्रो. गोबर्धन दास ने अपनी उपस्थिति से सत्र की शोभा

बढ़ाई। प्रो. दास ने संस्थान परिसर में सीएसआईआर- एम्प्री द्वारा विकसित रोलर कॉम्पैक्टेड जियोपोलिमरिक रोड का दौरा किया। तारा सभागार में शाम के सत्र की शुरुआत सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर द्वारा प्रो. गोबर्धन दास के स्वागत के साथ हुई। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. गोबर्धन दास ने इस बात पर जोर दिया कि देश का लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत को हासिल करना है। मुख्य अतिथि प्रो. गोबर्धन दास को सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर द्वारा सम्मानित किया गया। सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के वैज्ञानिक जी डॉ. पी. अशोकन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।





सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस-2026 और 46वें सीएसआईआर- एम्प्री स्थापना दिवस समारोह की झलकियाँ

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 मनाया गया

सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल ने 11 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान परिसर में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ। डॉ. रेड्डी ने तेजस्वी केंद्रीकृत परीक्षण सुविधा (तकनीकी मूल्यांकन और संयुक्त विश्लेषण प्रणाली, आभासी एकीकरण के लिए) और विवेकानंद विज्ञान प्रदर्शनी का दौरा किया, जहां उन्होंने वैज्ञानिकों और

छात्रों से बातचीत की। औपचारिक कार्यक्रम तारा सभागार में आयोजित किया गया और इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि के फूलों से स्वागत और सीएसआईआर-एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने इस अवसर पर मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास में सीएसआईआर-आईआईसीटी के महत्वपूर्ण योगदानों पर प्रकाश डाला। सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक ने मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन वैज्ञानिक जी डॉ. पी. अशोकन द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।



सीएसआईआर- एम्प्री में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के सहयोग से स्थापित सेंटर फॉर सस्टेनेबल सिसल सिस्टम्स (सी3एस) का उद्घाटन

स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य अनुप्रयोगों के लिए उन्नत सामग्री पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (AMCEHA 2026) 3-5 जून, 2026 को भारत में कोयंबटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी) में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएसआईआर की महानिदेशक और डीएसआईआर की सचिव माननीय डॉ. एन. कलैसेल्वी ने किया। कार्यक्रम के साथ, डॉ. एन.



कलैसेल्वी ने 3 जून 2026 को अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन कैंपस में सीएसआईआर-एम्प्री, भोपाल के सहयोग से स्थापित सेंटर फॉर सस्टेनेबल सिसल सिस्टम्स (सी3एस) का उद्घाटन किया। सी3एस का उद्देश्य टिकाऊ सिसल की खेती, मूल्य संवर्धन, ग्रामीण उद्यमिता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना है। सीएसआईआर- एम्प्री के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने उद्योग बैठक सत्र के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सभा को संबोधित किया।



AMCEHA 2026 की झलकियाँ

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 मनाया गया

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 21 जून, 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। पतंजलि योगपीठ के योग

विशेषज्ञों द्वारा योग पर व्याख्यान और लाइव प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। एम्प्री के स्टाफ, उनके परिवार के सदस्यों और छात्रों ने योग के लाभों का अनुभव किया और उनके बारे में सीखा।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

नई सुविधाएं

1. डॉ.एन. कलैसेल्वी, माननीय महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर ने 12 मई, 2026 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (एनटीडी) और 46वें सीएसआईआर- एम्प्री स्थापना दिवस (मई 12-14, 2026) के अवसर पर सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल का

दौरा किया। उन्होंने तेजस्वी केंद्रीकृत परीक्षण सुविधा (तकनीकी मूल्यांकन और संयुक्त विश्लेषण प्रणाली, आभासी एकीकरण के लिए) में आईसीपी-ओईएस, हाइड्रोजन स्टोरेज मैटेरियल्स एनालाइजर और यूटीएम सुविधा का उद्घाटन किया।





सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



नई सुविधाओं का उद्घाटन

2. सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 11 जून, 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। मुख्य अतिथि, डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी, निदेशक, सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद ने डीसीपीसी- एम्प्री परियोजना के तहत स्थापित "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) - ट्रांसपेरेंट एंड बायो कम्पैटिबल रेडिएशन शील्डिंग

पॉलीमर कंपोजिट्स" का उद्घाटन किया, जो पुनर्चक्रण योग्य और पारदर्शी गामा और न्यूट्रॉन शील्डिंग पॉलीमर कंपोजिट्स के क्षेत्र में संस्थान के अनुसंधान बुनियादी ढांचे और नवाचार क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।



सीओई - पारदर्शी और बायो-कम्पैटिबल रेडिएशन शील्डिंग पॉलीमर कंपोजिट्स का उद्घाटन

आउटरीच गतिविधियाँ

1. प्रो. थल्लाडा भास्कर, निदेशक, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 29 अप्रैल 2026 को सीएसआईआर विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली में न्यू एज फाइबर पर सीएसआईआर और कपड़ा मंत्रालय की बैठक में भाग लिया। डॉ.एन.

कलैसेल्वी, माननीय डीजी सीएसआईआर ने कपड़ा मंत्रालय के सचिव को सीएसआईआर- एम्प्री के सिसल उत्पाद भेंट किए।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



सीएसआईआर और कपड़ा मंत्रालय की बैठक में प्रो. थल्लाडा भास्कर

2. सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 19 मई, 2026 को नई दिल्ली में 'न्यू एज फाइबर: इनोवेशन, रिसर्च एंड द रोड अहेड' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सिसल फाइबर और सिसल फाइबर कंपोजिट आधारित एक्सीबिट्स का प्रदर्शन

किया। सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर ने इस अवसर पर भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के माननीय मंत्री और गणमान्य व्यक्तियों से बातचीत की।



सीएसआईआर-एम्प्री एक्सीबिट्स का प्रदर्शन (बाएं) और माननीय मंत्रियों के साथ डॉ. थल्लाडा भास्कर बातचीत करते हुए (दाएं)

3. सीएसआईआर- एम्प्री की टीम ने वायुमंडलीय अनुसंधान के लिए स्वदेशी सोडार प्रणाली स्थापित करने के लिए एक उपयुक्त स्थान खोजने के लिए 20-24 मई, 2026 के दौरान लेह-लद्दाख का दौरा किया, क्योंकि लेह-लद्दाख की अद्वितीय उच्च ऊंचाई, शुष्क जलवायु में 34 डिग्री सेल्सियस से -27 डिग्री सेल्सियस तक का चरम तापमान, कम दबाव, तेज हवाएं और साफ आसमान इसे

वायुमंडलीय अध्ययन के लिए आदर्श बनाता है। आईएमडी, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान और भारतीय खगोलीय वेधशाला के चार स्थानों का सर्वेक्षण करने के बाद, हानले को स्वदेशी सोडार प्रणाली स्थापित करने के लिए चुना गया ताकि इस क्षेत्र में सीमा परत की गतिशीलता जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और मौसम के पैटर्न को समझा जा सके।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल
संवर्धन, खंड 2, अंक 1



हानले में भारतीय खगोलीय वेधशाला (आईएओ)

4. सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने 22 से 24 मई, 2026 तक एमएसएमई प्रदर्शनी केंद्र, औद्योगिक क्षेत्र, गोविंदपुरा, भोपाल में आयोजित 6वीं राइजिंग मध्य प्रदेश प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा विकसित अनुसंधान एवं

प्रौद्योगिकियों/उत्पादों का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट विकास परिणामों और आकर्षक स्टॉल प्रस्तुति के लिए एम्प्री स्टॉल को आयोजन समिति द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।



छठी राइजिंग मध्य प्रदेश प्रदर्शनी में सीएसआईआर- एम्प्री टीम

5. सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल की निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर और डॉ. मनीष मुद्गल की जीपीसीबी के अध्यक्ष श्री आर बी बरद और सदस्या सचिव श्रीमती दीपाली टांक के साथ जीपीसीबी मुख्यालय, गांधीनगर

में 9 जून 2026 को सिरेमिक कचरे से जियोपॉलीमरिक सामग्री और मूल्यवर्धन तथा औद्योगिक कचरे से धन सृजन के विषय पर बैठक हुई।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



बैठक की झलकियाँ

6. आंध्र प्रदेश के ओंगोल जिले के प्रकाशम क्षेत्र के जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट श्री पी. राजा बाबू आईएस के निमंत्रण और रुचि की अभिव्यक्ति के अनुसार, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के वैज्ञानिक - जी की टीम, जिसमें डॉ. पी. अशोकन, डॉ. मनीष मुद्गल और डॉ. मोहम्मद अकरम खान शामिल थे, ने 30 जून से 1 जुलाई 2026 के दौरान आंध्र प्रदेश के ओंगोल

प्रकाशम जिले में स्थित ग्रेनाइट खनन और खनिज उद्योग का दौरा किया, और कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए उत्पन्न ग्रेनाइट अपशिष्ट के उपयोग की संभावनाओं को तलाशने के लिए सीएसआईआर- एम्प्री की विशेषज्ञता और सुविधाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी साथ ही विभिन्न एकसीबिट्स का प्रदर्शन भी किया।



ग्रेनाइट खनन और खनिज उद्योगों में सीएसआईआर- एम्प्री टीम के दौरे की झलकियाँ

आमंत्रित व्याख्यान

सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल के वैज्ञानिक जी डॉ. अशोकन पप्पू ने सीएसआईआर-आईपीयू द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यान श्रृंखला में 2 मई, 2026

को "औद्योगिक अकार्बनिक अपशिष्ट पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियों से हाई-परफॉरमेंस मिश्रित लकड़ी बनाने में सतत चक्रीय अर्थव्यवस्था" विषय पर व्याख्यान दिया।



गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

1. पद्मश्री और कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद केंद्र की अखिल भारतीय उपाध्यक्ष सुश्री निवेदिता रघुनाथ भीड़े ने 6, अप्रैल 2026 को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल

का दौरा किया। उन्होंने सीएसआईआर- एम्प्री में विकसित प्रक्रियाओं और उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शनी हॉल का भ्रमण किया।



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में सुश्री निवेदिता रघुनाथ भीड़े

2. कोयंबटूर स्थित अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वूमेन (डीम्ड यूनिवर्सिटी) की कुलपति प्रो. वी. भारती हरिशंकर और निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ डॉ. पी. ललिता

ने 12 मई 2026 को सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल का दौरा किया, ताकि मिलकर काम करने की संभावनाओं का पता लगाया जा सके।



गणमान्य व्यक्ति सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



3. डॉ. एस.एस. अमृतफले, अनुसंधान निदेशक, साइंस इन्वेस्टमेंट्स एलएलसी. रस्टन, लुइसियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका 375 और पूर्व कार्यकारी निदेशक, सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल ने सीएसआईआर-

एम्प्री, भोपाल का दौरा किया और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए निदेशक, डॉ. थल्लाडा भास्कर के साथ बातचीत की।



डॉ. थल्लाडा भास्कर के साथ डॉ. एस.एस. अमृतफले सीएसआईआर- एम्प्री भोपाल में

4. श्री मणिकम अथाप्पा, अध्यक्ष और श्री रमेश राजगोपाल, महाप्रबंधक, मेक इंडिया लिमिटेड, कोयंबटूर और दो अन्य क्लायन्ट ने 16-17 जून, 2026

के दौरान टेक्नोलॉजी ट्रांसफॉर्मेशन के अवसरों पर चर्चा करने के लिए सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल का दौरा किया।



सीएसआईआर- एम्प्री, भोपाल में मेक इंडिया लिमिटेड, कोयंबटूर के गणमान्य व्यक्ति



स्टाफ समाचार

दुखद निधन

1. श्री देवानंद प्रसाद, सेवानिवृत्त चाय बनाने वाले
का 10 जून 2026 को निधन हो गया
2. श्री के.पी. त्रिपाठी, सेवानिवृत्त सुरक्षा गार्ड, का 12 जून
2026 को निधन हो गया।



सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल संवर्धन, खंड 2, अंक 1



मीडिया में सीएसआईआर-एम्प्री



CSIR NEWS

Newsletter of the Council of Scientific & Industrial Research

What's Inside

CSIR Inspiring Lives Serving India
CSIR Road Technologies Driving India's Growth Towards Sustainable and Resilient Infrastructure
Hon'ble Prime Minister, Shri Narendra

CSIR-AMPRI Celebrates National Technology Day-2026 and 46th CSIR-AMPRI Foundation Day

Dr. Kalaiselvi stressed the need for user-based and socially relevant research, urging scientists to identify the requirements of society and develop technologies that can effectively reach and benefit the common people.



Dr. Kalaiselvi visited the TEJASVI Centralised Testing facility and integrated advanced research facilities, including ICP-OES and the Hydrogen Storage Materials Analysis.

The celebration, further included the inauguration of the Vivekananda Vigyan Prashasthi, Kalasa-Shala, and the UTM Facility, showcasing the Institute's commitment towards strengthening scientific infrastructure and promoting innovation-driven research.

The Hon'ble PM visited the Roller Compacted Geopolymeric Road (cement-free) constructed at the institute campus.

Dr. Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI, delivered the welcome address, highlighting the Institute's recent achievements, technological advancements, and future vision. He stated that it was a great moment for the Institute to celebrate National Technology Day 2026 and the 46th Foundation Day in the gracious presence of the Hon'ble PM, CSIR, Dr. Bhaskar elaborated on the key research and technology focus areas of the Institute, including circular economy, water

CSIR-Advanced Materials and Processes Research Institute (CSIR-AMPRI), Bhopal, celebrated National Technology Day-2026 and 46th CSIR-AMPRI Foundation Day from 12-14 May 2026 under the Chairmanship of Dr. Thallada Bhaskar, Director, CSIR-AMPRI.

The programme was graced by Dr. N. Kalaiselvi, Hon'ble DG, CSIR & Secretary, DSIR, Government of India, as the Chief Guest on 12 May 2026. The event commenced with the welcome of CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

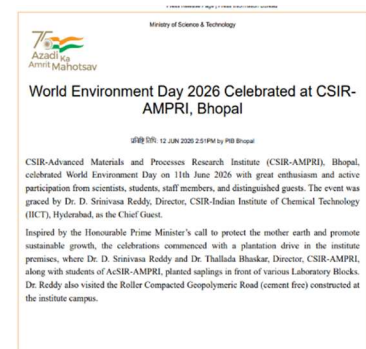
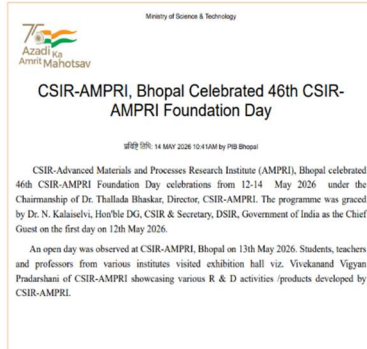
CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,

CSIR-AMPRI, Bhopal, by Dr. Thallada Bhaskar, Director,





सीएसआईआर-प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री), भोपाल
संवर्धन, खंड 2, अंक 1



संपर्क:

प्रो.डॉ. थल्लाडा भास्कर,

निदेशक

सीएसआईआर- प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान (एम्प्री)

नर्मदापुरम रोड, भोपाल-462026 (मध्य प्रदेश)

फ़ोन: +91-755-2457105

ईमेल: director.ampri@csir.res.in

वेब साईट: <https://ampri.res.in/>

जुड़े रहें:



<https://x.com/csiramprbhopal>



<https://www.facebook.com/csiramprbhopal>



<https://www.instagram.com/csiramprbhopal/>



<https://www.linkedin.com/company/csiramprbhopal/>